

ACTIVITY BY CLASS 7 RELATED TO TWO SHORT MOVIES



Assignment हिंदी फिल्म रिव्यू नाम: तन्वी रश्मि Page No: Date: कक्षा: 7-स

1. द कमप्लेंट:
 इस मूवी / फिल्म में ऐसा दिखाया जाता है कि एक बुजुर्ग आदमी, हरिश सिंह (लेट सीजर उदम सिंह के पिता) अपनी लैपटॉप ठीक करवाने के लिए कम्पनी की फोन कर रहे थे। वे लैपटॉप इसलिए ठीक करवावा चाहते थे क्योंकि वे अपनी दौड़ों के नामकरण की रस्म देखना चाहते थे। उनका अहमदाबाद से नहीं पहुँचना तो संभव नहीं था, इसलिए लैपटॉप पर विडियो कैम एक शीता रास्ता था। जब कम्पनी का तकनीक इमतिआज आज लैपटॉप ठीक करने आया, तो हरिश जी ने उसके उपेक्षा ऐसा व्यवहार किया जैसे एक मालिक अपने नौकर के साथ करता है। जब इमतिआज की उनकी दौड़ों के नामकरण के बारे में पता चला तो उसने अपने फोन से हरिश जी से विडियो कॉल करवा दी। कॉलेपब में हरिश जी साबुन ले ही गये थे। जब विडियो कॉल करने के बाद इमतिआज ने उनके नामकरण देना, तो उनकी विडियो में एक नई विडियो की किरण जगमगा रही। जब कोई विडियो के लिए मायूस कार्य करता है, तो दूसरा भी उसी फिल्म में अजब करता है। जब हरिश जी अपनी दौड़ों का नामकरण देब पारतो उसके बाद, वह इमतिआज को महामान की तरह मानने लगे और उसकी ठान्की चातिरदारी करी। सीख: बुजुर्गों को बॉटने से ही बचनी है।

मनपसंद हिस्सा: मुझे यह बहुत अच्छा लगता है कि इमतिआज खुद जब हरिश जी को विडियो कॉल करवा देता है, तो हरिश जी उसके प्रति अच्छे से व्यवहार करने लग जाते हैं। इसके अलावा मैं उन मुसलिमी (जिन्होंने उनके बेटे को मारा था) से जुड़ी सारी नफरत मिट गई थी।





